संपादकीय

हिंसा की पाठशाला

यह घटना विचलित करने वाली है कि स्कूल में हुए विवाद का बदला लेने के लिये छात्रों का एक गुट किसी छात्र के घर पर देर रात गोलियों से हमला बोल परिवार के एक सदस्य की हत्या करके अन्यों को घायल कर दे। पंजाब के बटाला स्थित कस्बे हरचोवल में छात्रों की रंजिश का खमियाजा एक परिवार को भुगतना पड़ा। घटना हमारे समाज में युवा पीढ़ी के भटकाव व हिंसक होने की वजह तलाशने की जरूरत बताती है। कहीं न कहीं समाज में उन संस्थाओं का क्षरण हुआ है, जो नई पीढ़ी के चरित्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाती थीं। निःसंदेह हालिया वर्षों में शिक्षक-छात्र संबंधों में वह रिश्ता तिरोहित होता नजर आया है जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होता रहा है। उस गुरु-शिष्य परंपरा का भी ह्रास हुआ जो कभी भारतीय शिक्षा प्रणाली की आत्मा हुआ करती थी। यह रिश्ता अब वेतन, फीस व ट्यूशन की प्रवृत्तियों में सिमट कर रह गया है। कहीं न कहीं शिक्षक की भी वह भूमिका अब नजर नहीं आती, जिसमें शिक्षक छात्र के भटकाव पर नियंत्रण लगाने में निर्णायक भूमिका निभाते थे। एक तो छात्रों के अधिकारों की वकालत करने वाले कानून किसी ऐसे उपाय को खारिज करते हैं, जिसमें भटके छात्रों को दंडित करने का प्रावधान हो। दूसरे इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रसार ने एक आ मक पीढ़ी को जन्म दिया है। दरअसल, पश्चिमी देशों द्वारा पोषित वेबसाइटों और विभिन्न ऑनलाइन गेम्स में रक्त रंजित हिंसक कार्य मों की भरमार है। रात-दिन ऐसे खेलों को खेलने वाले छात्रों की स्वस्थ मानसिकता के विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इन खेलों का नायक घातक हथियारों से अपने दुश्मनों को क्रूरता से मारता नजर आता है। जाहिर है बच्चों के कोमल मस्तिष्क पर इनका घातक प्रभाव होना लाजिमी है। कुछ वर्ष पूर्व यमुनानगर की एक स्कूल प्रधानाध्यापिका एक सस्पेंड छात्र ने पेरेंट्स मीटिंग के दिन पिता की रिवॉल्वर से गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस छात्र को हाल ही में उम्रकैद की सजा हुई है। ऐसे में सवाल बच्चे की परवरिश की खामियों का तो है ही, साथ ही अभिभावकों पर भी सवाल है कि कैसे ऐसा घातक हथियार बच्चे के लिये सहज उपलब्ध था। दरअसल, बदलते वक्त के साथ बच्चों में अहं इतना सशक्त हुआ है कि वे अपनी नाक पर मक्खी बैठना भी बर्दाश्त नहीं करते। जहां कहीं उनके अहम को ठेस लगती है, वे रिश्ते, नाते, मानवता और लिहाज को ताक पर रखकर बदला लेने को आतुर हो जाते हैं। कहीं न कहीं अब हमारे समाज की सीधी दखल, बच्चों के जीवन में मार्गदर्शक भूमिका निभाने की नहीं रह गई है। मां-बाप के पास इतना समय नहीं है कि वे हर समय बच्चों को अपनी निगाह में रख सकें। दूसरे मोबाइल फोन के जरिये बच्चों तक इतनी चाही-अनचाही सामग्री पहुंच रही है कि अभिभावक भी उस पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे हैं। इस प्रवृत्ति को सोशल मीडिया ने और हवा दी है। ऐसी कोई व्यवस्था नजर नहीं आती जो वयस्कों की सामग्री को बच्चों तक पहुंचने से रोक सके।

शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे मजबूत

मुंबई (आरएनएस)। शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया बृहस्पतिवार को 13 पैसे सुधरकर 75.81 पर खुला। कोरोना वायरस से निपटने के लिए प्रोत्साहन पैकेज दिए जाने के आश्वासन और शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख के साथ खुलने से निवेशकों की धारणा में सुधार देखा गया।

मुद्रा कारोबारियों के अनुसार सरकार की ओर से 21 दिन के लिए सार्वजनिक बंद (लॉकडाउन) किया जाना दिखाता है कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए सरकार कड़े कदम उठाने को भी तैयार है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार पर रुपया 75.91 पर खुला। जल्द ही इसमें सुधार देखा गया। सुबह के कारोबार में पिछले बंद स्तर के मुकाबले यह 13 पैसे सुधार के साथ 75.81 रुपया प्रति डॉलर पर रहा। बुधवार को गुड़ी पड़वा पर्व के चलते मुद्रा बाजार बंद रहा। मंगलवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार कोरोना वायरस से निपटने के लिए राहत पैकेज पर काम कर रही है। इसके बाद रुपया 26 पैसे चढ़कर 75.94 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सरकार की ओर से प्रोत्साहन पैकेज जारी किए जाने के आश्वासन के बाद निवेशकों की धारणा में सुधार देखा गया। आरंभिक आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बुधवार को 1,893.36 करोड़ रुपये की बिकवाली की। ब्रेंट कच्चा तेल भाव 0.51 प्रतिशत गिरकर 27.25 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

इस बीच सेंसेक्स बृहस्पतिवार को सुबह के कारोबार में 561.80 अंक की बढ़त के साथ 29,097.58 अंक पर और निफ्टी 516.80 अंक की तेजी के साथ 8,317.85 अंक पर चल रहा है।

1.70 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से बाजार गदगद

» 1415 अंक उछला सेंसेक्स

मुंबई (आरएनएस)। कोरोना वायरस के मामलों पर लगाम लगाने को लेकर किए गए लॉकडाउन से इकॉनमी पर पड़ने वाले असर को दूर करने के लिए वित्त मंत्री द्वारा गुरुवार को 1.70 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा से बाजार गदगद दिखा। बंबई स्टॉक एक्सचेंज का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स तथा एनएसई का निफ्टी दोनों ही लगातार तीसरे सत्र में बड़ी तेजी के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स 1410.99 अंक (4.94 प्रतिशत) उछलकर 29,946.77 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 323.60 अंकों (3.89 प्रतिशत) की तेजी के साथ 8,641.45 पर बंद हुआ। दिनभर के कारोबार में सेंसेक्स ने 30,099.91 का ऊपरी स्तर तथा 28,566.34 का निचला स्तर छुआ। वहीं निफ्टी ने 8,749.05 का उच्च स्तर और 8,304.90 का निम्न स्तर छुआ।

कोरोना वायरस से पस्त इकॉनमी को राहत देने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1.70 लाख करोड़ के स्पेशल पैकेज का ऐलान किया। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि गरीबों के लिए खाने का प्रबंध किया जाएगा। इसके अलावा, डीबीटी के जरिए अकाउंट में पैसे ट्रांसफर भी किए जाएंगे। सरकार ने जो बड़ा ऐलान किया है, उसमें 3 महीनों तक ईपीएफ में एम्प्लॉयी और एम्प्लॉयर दोनों के हिस्से का योगदान सरकार करेगी। यह वहां लागू होगा, जहां 100 से कम कर्मचारी हैं और 90 फीसदी 15 हजार से कम वेतन पाते हैं।

कोरोना से लड़ने के लिए सिंधु ने दिए 10 लाख रुपये दान

हैदराबाद। विश्व चैंपियन भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने कोरोनावायरस की लड़ाई में अपना योगदान देते हुए 10 लाख रुपये दान देने का फैसला किया है। सिंधु ने यह राशि पांच-पांच लाख रुपये के रूप में दो राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना मुख्यमंत्री राहत कोष में दान दिया है। सिंधु ने टिवटर कहा, 'कोरोनावायरस से लड़ने के लिए मैं तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य के मुख्यमंत्री राहत कोष में पांच-पांच लाख रुपये दान देती हूं'। इससे पहले, दक्षिण के सुपरस्टार पवन कल्याण ने भी दो राज्यों आंध्र प्रदेश और तेलंगाना मुख्यमंत्री राहत कोष में 50-50 लाख रुपये दान दिया। उनसे पहले, पहलवान बजरंग पुनिया अपने छह महीने की सैलरी, पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने 50 लाख रुपये और सानिया मिर्जा ने भोजन तथा जरूरी की सामान दान देने का फैसला किया।

ओलिंपिक टला, अब आईपीएल हो सकता है रद्द

नई दिल्ली। दुनिया का सबसे बड़ा खेल आयोजन तोक्यो ओलिंपिक्स-2020 कोविड महामारी की भेंट चढ़कर एक साल के लिए टल चुका है और अब भारत में क्रिकेट का सबसे बड़ा क्रेज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी इसी की राह चल चुका है। कोरोना वायरस से निबटने के लिए देश में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा के बाद अब बीसीसीआई पर आईपीएल को रद्द करने का दबाव बढ़ गया है।

बीसीसीआई ने इस महीने की शुरुआत में आईपीएल को 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर

दिया था। उस वक्त बोर्ड ने कहा था कि टूर्नामेंट की मेजबानी केवल स्थिति में सुधार होने पर किया जाएगा।

लेकिन इसमें सुधार होने की जगह स्थिति और गंभीर हो गई जहां भारत में इस वायरस की चपेट में 500 से ज्यादा लोग आ गए हैं। बीसीसीआई प्रेजिडेंट सौरभ गांगुली ने एक रोज पहले कहा था कि गंभीर स्थिति को देखते हुए उनके पास इस मामले पर कहने के लिए कुछ नहीं है। गांगुली ने कहा था, 'मैं फिलहाल कुछ नहीं कह सकता। हम उसी स्थान पर हैं जहां हम इसे सस्पेंड करने वाले फैसला लेते समय थे। पिछले 10 दिनों में कुछ भी नहीं बदला है। ऐसे में मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। यथास्थिति बनी हुई है।' किंग्स इलेवन पंजाब के को-ओनर नेस वाडिया इस मुद्दे पर ज्यादा साफगोई दिखाई है। उन्होंने कहा, 'बोर्ड को वाकई आईपीएल को अब स्थगित करने पर विचार करना चाहिए। एक प्रमुख खेल आयोजन के तौर पर हमें बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम करने की जरूरत है।

लावा ने श्रमिकों को दिया 20 प्रतिशत अग्रिम वेतन

नयी दिल्ली (आरएनएस)। मोबाइल बनाने वाली कंपनी लावा ने अपने कारखाने के श्रमिकों को 20 प्रतिशत अग्रिम वेतन दिया है।कंपनी ने एक बयान में कहा कि कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने सरकार ने 21 दिन का देशव्यापी लॉकडाउन (बंद) किया है, ऐसे में श्रमिक अपने खर्च ठीक से चला सकें इसलिए कंपनी ने उन्हें अग्रिम वेतन देने का निर्णय किया है।कंपनी के कारखाने में करीब 3,500 श्रमिक काम करते हैं। कंपनी ने कहा, ''अपने कर्मचारियों की सुरक्षा और बेहतरी सुनिश्चित करने और उनकी परेशानियों को हल करने के विभिन्न कदमों के तहत कंपनी ने यह कदम उठाया है। कंपनी ने बुधवार को उन्हें निश्चित तिथि से 12 दिन पहले 20 प्रतिशत वेतन अग्रिम तौर पर दे दिया है।

प्रिंस चार्ल्स से मिलने के बाद सेल्फ आइसोलेशन में गया वर्ल्ड चैंपियन बॉक्सर

लंदन। वर्ल्ड हेवीवेट बॉक्सिंग चैंपियन एंथनी जोशुआ ने खुद को कोरोनावायरस के शिकार प्रिंस चार्ल्स से मुलाकात के बाद सेल्फ-आईसोलेशन में रहने के फैसला लिया है।

ब्रिटेन की महारानी क्वीन एलिजाबेथ 2 के बड़े बेटे चार्ल्स को भी कोरोना वायरस पॉजीटिव पाया गया है। वह इस समय स्कॉटलैंड में सेल्फ-आइसोलेशन

में हैं। जोशुआ के एक प्रवक्ता ने इंग्लैंड के अखबार डेली मेल को बताया, एजे घर पर ही हैं और सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन कर रहे हैं। उन्होंने सभी पीड़ितों के जल्द ठीक होने की कामना की है। जोशुआ 20 जून से अपना आईबीएफ, डब्ल्यूबीए और डब्ल्यूबीओ हेवीवेट टाइटल बचाने के लिए चैलेंजर कुबरत पुलेव के खइलाफ टॉन्टम हॉटस्पर स्टेडियम में उतरना है।

तोक्यो ओलिंपिक स्थगित होने का पैरिस ओलिंपिक 2024 पर असर नहीं: आयोजक

पैरिस। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण तोक्यो ओलंपिक स्थगित होने का असर पेरिस में 2024 में होने वाले खेलों पर नहीं पड़ेगा। आयोजन समिति के प्रमुख टोनी एस्तांगुत ने यह बात कही। आईओसी अध्यक्ष थामस बाक ने जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे से कल फोन पर बात करने के बाद तोक्यो ओलंपिक 2021 तक स्थगित करने का फैसला किया । एस्तांगुत ने कहा कि इसका पेरिस खेलों पर असर नहीं पड़ेगा और वे तोक्यो ओलंपिक के तीन साल बाद होंगे । उन्होंने कहा, 'तोक्यो ओलिंपिक को स्थगित करने का फैसला सही है । हम अपने खेलों की तैयारी कर रहे हैं और तोक्यो खेलों का असर उस पर नहीं पड़ेगा। हर जगह के हालात दूसरे हैं। हमें उस तरह का बुनियादी ढांचा खड़ा नहीं करना है।

आज का राशिफल

मेषः आज आपके जन्म स्थान से प्रथम चंद्रमा, तथा दशम शनि मंगल, का योग बना हुआ है।

वृषभः आज राशि का स्वामी शु -बुध के साथ द्वादश भाव में कोई नई परेशानी पैदा कर सकता है।

मिथुनः प्रथम भाव में मिथुन राशि का राहु और सप्तम पत्नी भाव में बृहस्पति होने के कारण आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा।

कर्कः आज नौकरी, व्यवसाय व राजनीतिक क्षेत्र में प्रगति की स्थिति रहेगी। खर्चों में कटौती करें नहीं तो कष्ट उठाना पड़ सकता है।

सिंहः दिन के पूर्वार्द्ध में व्यावसायिक जीवन में कुछ खटपट रहेगी।

कन्याः आज आपकी राशि का स्वामी बुध षष्ठम भाव में संचार कर रहा है।

तुलाः मेष राशि का चंद्रमा सप्तम भाव में आज परा म व धन की वृद्धि करेगा।

वृश्चिकः राशि का स्वामी मंगल मकर राशि पर और चंद्रमा मेष राशि षष्ठम भाव में संचार कर रहा है।

धनुः आज आपको संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा। नए-नए खर्चे निकल कर सामने आएंगे।

मकरः आपकी राशि का स्वामी शनि प्रथम भाव में और राशि से द्वादश भाव धनुः राशि का गुरु आज आपको सुव्यवस्था का कोई कार्य सौंपेगा।

कुंभः चंद्रमा तृतीय भाव में मेष राशि पर संचार कर रहा है। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतें। पारिवारिक कार्यों में दौड़ धूप रहेगी।

मीनः राशि का स्वामी धनुः में तथा तृतीय परा म आयु केंद्र भाव में चंद्रमा राज्य विजय कारक है। आज आप अपने विरोधियों के लिए सिरदर्द बने रहेंगे।

घर में बंद राजकुमार राव काट रहे हैं सब्जी, पत्रलेखा बना रही हैं खाना

कोरोना को लेकर सेल्फ क्वॉरंटीन ने फिल्म स्टार्स को वैसे कामों करने का मौका भी दिया है, जिसे वे अपनी नॉर्मल लाइफ में शायद नहीं कर पाते। शूटिंग और सेट्स पर अपनी लाइफ का बड़ा हिस्सा गुजारने वाले ये सितारे इन दिनों अपनों के बीच अपने-अपने घरों में रह रहे हैं। कुछ सितारे जहां खुद को बिजी रखने के लिए तरह-तरह के उपाय ढूंढ रहे हैं, वहीं कुछ सितारों को अपने रिलेशनशिप को और भी ज्यादा स्ट्रॉन्ग बनाने का मौका मिल गया है। ऐसे ही कपल में से एक हैं राजकुमार राव और पत्रलेखा, जो अपने क्वॉरंटीन वाले इन पलों को जी भरकर जी रहे हैं।

ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि यह सच बयां कर रहा है उनका सोशल मीडिया पोस्ट। सिटी लाइट्स स्टार्स राजकुमार राव और पत्रलेखा उन स्टार्स में से हैं, जिन्होंने अपने रिलेशनशिप पर हमेशा से खुलकर बात की है। इस साल वैलंटाइंस डे पर अपनी गर्लफ्रेंड पत्रलेखा के लिए अपने प्यार का इजहार कर चुके राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने इन पलों की तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उन्हें अपने कुकिंग स्किल्स का जिक्र किया है।

उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर पत्रलेखा की तारीफ करते हुए उन्हें शानदार बावर्ची बताया है। हालांकि इसी के साथ यह इशारा किया है कि इस बावर्ची के लिए सब्जी काटने का काम उन्हें करना पड़ता है।

राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की है, उनमें पहले तो वह सब्जी काटते नजर आ रहे हैं। इसे शेयर करते हुए लिखा है, खाना बनाने का पहला कदम। सब्जियों की कटाई। और प्याज हो तो चश्मा भी पहन सकते हैं। इसी के साथ उन्होंने इस तस्वीर का क्रेडिट पत्रलेखा को दिया है।

हिचकी के साथ मैंने नई यात्रा शुरू की : रानी

रानी मुखर्जी की फिल्म हिचकी ने अपनी रिलीज के दो साल पूरे कर लिए। अभिनेत्री ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए बहुत खास है और उन्होंने फिल्म के साथ इंडस्ट्री में एक नई यात्रा की शुरुआत की है।

रानी ने कहा, जब भी मैं यह सोचती हूं कि हिचकी कितनी खास है, तो मुझे पहले यह कहना होगा कि यह कई चीजों के मद्देनजर मिली एक तरह की जीत थी। यह बहुत सारी रूढ़िवादिता को तोड़ रही थी। मैं शादी और मां बनने के बाद एक फिल्म कर रही थी। रानी ने कहा, यह एक ऐसी फिल्म थी जो विश्व स्तर पर विशेष रूप से चीन जैसे देशों में रिलीज हो रही थी, जहां यह एक ब्लॉकबस्टर बन गई थी और इसे एक दिल को छूने वाली मानवीय कहानी के रूप में स्वीकार किया गया था। मुझे लगता है कि इस तरह का साबित हुआ कि यह फिल्म कितनी खास है। फिल्म में रूढ़िवादिता को पछाड़ने का संदेश है। फिल्म में रानी ने एक स्कूल शिक्षिका का किरदार निभाया था, जो टॉरेट सिंड्रोम से जूझती है। अभिनेत्री को लगता है कि हिचकी हमेशा उनके लिए विशेष फिल्म रहेगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरे लिए यह हमेशा एक विशेष फिल्म रहेगी। मां बनने के बाद मेरी पहली फिल्म थी।

स्वाद और सेहत दोनों को रखें बरकरार टेस्टी 'साबुदाना-आलू रोल्स', जानें रेसिपी

सामग्री :-

साबूदाना- तीन-चौथाई कप, आलू- चार (उबले हुए), मूंगफली- आधा कप (भूनी और कुटी), हरी मिर्च- तीन (बारीक कटी), अदरक- एक इंच का टुकड़ा (कद्दूकस किया), नींबू का रस- एक टेबलस्पून, हरा धनिया- दो तीन टेबलस्पून, सेंधा नमक- स्वादानुसार, देसी घी- डीप फ्राई के लिए

विधि :-

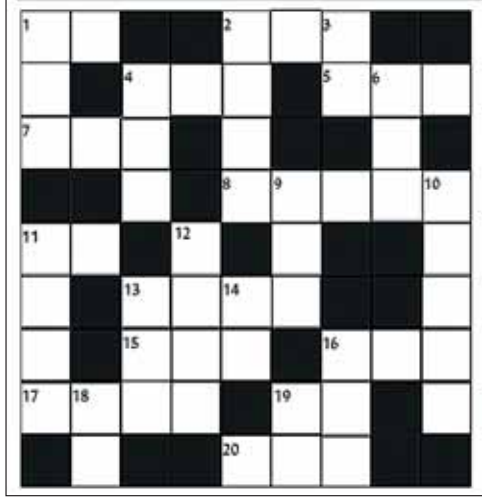

साबूदाने को धोकर कम से कम एक घंटे के लिए भिगो दें। अगर कम वक्त में बनाना हो तो इसे गरम पानी में भिगो दें। जब ये भीग जाएं तो सारा पानी निकालकर साबूदाने को एक बड़े बाउल में निकालकर

इसमें मैश किए आलू, मूंगफली, हरी मिर्च, अदरक, नींबू का रस, हरा धनिया और सेंधा नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। इसे कुछ देर के लिए रख दें। फिर इससे आठ छोटे-छोटे सिलेंड्रिकल शेप के रोल बना लें। अब कड़ाही में घी गरम करें और इन रोल्स को डीप फ्राई करें। गोल्डेन ब्राउन होने पर इन्हें अब्जॉर्बेंट पेपर पर निकालें और हरी धनिया की चटनी के साथ गरमा गरम सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 73

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. शृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

पै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

सू-दोकू- 73

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6